

[Shri P. Rajagopal Naidu]

steps to arrest this 'brain drain' in the field of medicine. And, ways and means should be found to attract medical practitioners to semi-urban and rural areas.

In this direction, the schemes announced recently by 24 major banks of the country to provide financial assistance to medical practitioners wishing to serve in rural areas are most welcome. These banks should provide special assistance to doctors returning from abroad to enable them to set up clinics of their own with suitable equipment. All these schemes should be widely publicised in India and abroad so that quite a good number of doctors may take advantage of them.

(xi) ALLEGED REDUCTION IN COAL SUPPLY TO ROSHAN SIZING MILLS AND OTHER MILLS IN BURHAMPTON

श्री शिवकुमार सिंह ठाकुर (खंडवा) :

उपाध्यक्ष महोदय, दी इंडियन कोलन मिल्स फेडरेशन बम्बई द्वारा बुरहानपुर की रोजन सायजिंग मिल सहित अन्य सायजिंग फैक्ट्रीज के कोयले की मासिक कोटे में 3-3 वैन के बदले 1-1 वैन कर दे है। इससे 28 सायजिंग बंद हो गई है। 18,000 पावरलूम भी इससे प्रभावित हो रहे हैं। बुरहानपुर में बरोजगारी फैल रही है अतः मंत्री जी शीघ्र आदेश पारित करके पूर्व में दिए जा रहे कोयले के मासिक कोटे को पुनः चालू रखें।

(xii) ALLEGED DEROGATORY REMARKS AGAINST MAHARISHI VALMIKI ON DELHI DOOR-DARSHAN.

श्री सूरज भान (अम्बाला) : उपाध्यक्ष महोदय दिनांक 15-9-81 को देहली बाल्मीकि समाज विकास परिषद् की ओर से दिल्ली दूरदर्शन के स्टेशन निदेशक को पत्र द्वारा लिखा गया कि महर्षि बाल्मीकि जी के जन्म दिवस पर प्रसारित होने वाली वार्ता अथवा कार्यक्रमों में महर्षि जी के बारे में अपमान-

जनक एवं बेबुनियाद शब्दों का प्रयोग न किया जाये परन्तु उसके बावजूद पत्रिका कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 12-10-81 को दिल्ली दूरदर्शन पर महर्षि बाल्मीकि जी के प्रति बहुत घिनोनी, द्वेषभरी, असत्य और भ्रूति पैदा करने वाली कहानी पेश की। बहुत से लोगों ने दिल्ली दूरदर्शन के इस कार्यक्रम की निन्दा एवं भर्त्सना की परन्तु बजाय इसके कि दिल्ली दूरदर्शन अपनी इस पहाड़ जैसी गलती के लिये क्षमा मांगता 18 नवम्बर को इसके योगाभ्यास कार्यक्रम में फिर महर्षि जी के प्रति ऐसी ही घटना 1970 में हुई थी जब भारत सरकार ने महर्षि बाल्मीकि जी के सम्मान में विशेष डाक टिकट जारी करते हुए ऐसी ही निराधार और नफरत भरी कहानी अपने फोल्डर द्वारा प्रसारित की थी।

मैं इस सदन के द्वारा सूचना एवं प्रसारण मंत्री से मांग करता हूँ कि वह अपने विभाग की इस दुर्भाग्यपूर्ण गलती के लिये पूरे हिन्दू समाज से क्षमा मांगें और जो अधिकारी व कलाकार इस धूरता के लिए जिम्मेदार हैं उनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही करें।

(xiii) ALLOTMENT OF FUNDS FOR THE DAIRY DEVELOPMENT PROGRAMME IN BIHAR

श्री अजित कुमार मंहता (समस्तीपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, दो विशाल गन्ध परियोजनाओं-ऑपरेशन फ्लड प्रथम और ऑपरेशन फ्लड द्वितीय में कृष्यवस्था के कारण सार्वदेशिक स्तर पर सामान्यतः और बिहार में विशेष रूप से दूध उत्पादन में हास हुआ है। बिहार की जनसंख्या लगभग 5.5 करोड़ है और दूधारू भैंसों की संख्या 1.9 करोड़ है, जबकि भारत भर में 24 करोड़ है। फिर भी दूसरे राज्यों की आवंटित राशि की तुलना में इसे ऋण सह-अनुदान के तहत बहुत ही छोटी राशि आवंटित होता रही है। ऑपरेशन फ्लड प्रथम में बिहार को केवल 3.18 करोड़ मिला। सारे भारत में लगाये जाने वाले 67 कैंटल फीट प्लांट में से बिहार को केवल एक मिला है। बिहार परम्परा से पश्चिम बंगाल को दूध को आपूर्ति करता रहा है, किन्तु परियोजना जनित इस असंतुलन के कारण उर्जा

संकेत को बाकट को बाधजूद कलकत्ता में सुदूर गुजरात से दूध लाया जाता है। बोर्ड की इस नीति के कारण देश में दूध उत्पादन में भारी कमी हो गई है और विदेशों से दूध की आयात पर निर्भरता बढ़ गई है।

अतः सदन के माध्यम से माननीय मंत्री जी से आग्रह है कि इस स्थिति पर पुनर्विचार कर डेयरी को पुनः संगठित करें, जिससे किसी राज्य विशेष के पक्ष में क्षेत्रीय असंतुलन न हो और बोर्ड में सब का उचित प्रतिनिधित्व हो।

(xiv) NEED FOR CBI ENQUIRY INTO THE MURDER OF A VERIFICATION OFFICER IN A TEMPLE AT TIRUCHENDUR.

SHRI C. T. DHANDAPANI (Pollachi) : Sir, I have to bring to the notice of the House a matter of considerable concern to the public in general and to the people of Tamil Nadu in particular.

Under the provisions of the Constitution, 'religious institutions' fall in the Concurrent List of the Seventh Schedule to the Constitution and the Centre can enact law in regard to such institutions. It has been the experience that sometimes religious institutions have been mismanaged and undesirable activities have taken place, and even murders have been committed as evidenced in a case in Tamil Nadu.

In a recent case of murder in Tamil Nadu, it appears that high authorities are involved. I, therefore, demand that a CBI inquiry may be instituted by the Central Government so that full facts of the case come out, and the culprits are brought to book, and deterrent action is taken against all concerned.

I would also like to bring to notice that responsible Press, which tried to bring out the truth behind this heinous murder, has

been persecuted by the authorities. This is undemocratic. I would urge the Central Government to look into the matter without further delay.

I would further urge upon the Government of India to see that the religious institutions in the States are run on proper lines to serve the purpose for which they are meant.

(xv) RAILWAY TRAVEL IN EASTERN U.P. AND BIHAR

SHRI JITENDRA PRASAD (Shahjahanpur) : Under rule 377 I make the following statement.

I would like to draw the attention of the Minister of Railways towards the inhuman and dangerous conditions in which poor labourers and their families travel from Eastern U.P. and Bihar to Punjab in search of work every year during the harvest season. It is a common sight that during the harvest season thousands of persons women and children, travel every day from U.P. and Bihar to Punjab on the roof of the trains which go towards Punjab. It is seen that during the summer months with the blazing sun and hot winds, or in the rainy season when it is raining very heavily and even now during the severe winter months these poor people cling dangerously on the roof of the mail trains which run at a very fast speed. Several of them fall sick due to adverse weather and some get electrocuted due to lack of accommodation in the existing trains. As earlier said, this rush of labourers to and fro Punjab is only at the time of harvest. Hence, the Minister of Railways should make adequate provisions for running Labourers' Specials from Bihar and Eastern U.P. to Punjab during the harvest season and after it to facilitate thousands and thousands of poor